विश्वविद्यालयी परीक्षा और हमारी साख

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित परीक्षा केन्द्र के रूप में प्रथम सत्र से ही परीक्षा कराता रहा है।

शत प्रतिशत मानकों के अनुरूप परीक्षा सम्पन्न कराने की महाविद्यालय ने अपनी साख अर्जित की है।

महाविद्यालय में प्रवेशित छात्रों की संख्या

प्रथम सत्र से .....

कार्यक्रम	2005–06			2006–07			2007–08			2008–09			2009–10		
	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष
बी.ए.	270	–	–	125	109	–	62	86	100	84	45	84	134	71	44
बी.एस–सी.	230	–	–	104	072	–	55	85	068	57	62	32	142	33	38
बी.काम.	037	–	–	032	030	–	24	30	030	91	19	29	275	77	19
कुल योग	**537**			**261**			**141**			**232**			**551**		

कार्यक्रम	2010–11			2011–12			2012–13			2013–14		
	आवेदन पत्रों की संख्या	भर्ती छात्रों की संख्या	मांग अनुपात	आवेदन पत्रों की संख्या	भर्ती छात्रों की संख्या	मांग अनुपात	आवेदन पत्रों की संख्या	भर्ती छात्रों की संख्या	मांग अनुपात	आवेदन पत्रों की संख्या	भर्ती छात्रों की संख्या	मांग अनुपात
स्नातक												
बी.ए.– I	250	131	1.90:1	403	203	1.98:1	850	388	2.19:1	1026	352	2.91:1
बी.एस–सी.– I	200	125	1.58:1	240	119	2.01:1	600	191	3.14:1	900	201	4.47:1
बी.काम.– I	205	096	2.3:1	730	275	2.65:1	905	274	3.30:1	1068	280	3.81:1
परास्नातक												
एम.ए.– I	25	25	1:1	05	04	1.66:1	35	16	2.18:1	26	08	3.25:1
एम.एस–सी.– I	60	40	2:1	62	26	2.38:1	80	29	2.75:1	45	15	3.00:1
प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम												
सिलाई–कढ़ाई	120	60	2:1	128	60	1.45:1	130	60	2.16:1	152	60	2.53:1
कम्प्यूटर प्रषि.	200	120	1.66:1	205	120	2.11:1	250	120	2.08:1	298	120	2.48:1
हमारे महापुरुष	–	–	–	–	–	–	–	–	–	180	60	3.00:1

स्नातक स्तर

महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या

सत्र	छात्र संख्या
2005 – 2006	537
2006 – 2007	261
2007 – 2008	141
2008 – 2009	232
2009 – 2010	551
2010 – 2011	353
2011 – 2012	557
2012 – 2013	853
2013 – 2014	833
2014 – 2015	850
2015 – 2016	868

प्रथम सत्र के बाद प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या एकाएक कम हुई, **कारण नकल विहीन परीक्षा, अनुशासन।** किन्तु महाविद्यालय की गुणवत्ता के आधार पर क्रमश: विद्यार्थियों की संख्या बढ़ती गयी। अब सीट रिक्त न होने के कारण प्रवेश पाने वंचित होते हैं।

परीक्षा परिणाम

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र 2010–11	सत्र 2011–12	सत्र 2012–13	सत्र 2013–14	सत्र 2014–15
	उत्तीर्ण%	उत्तीर्ण%	उत्तीर्ण%	उत्तीर्ण%	उत्तीर्ण%
बी.ए.–1	83	83	77	74	80
बी.ए.–2	86	93	91	94	93
बी.ए.–3	100	92	96	88	98
एम.ए.–1(प्रा.इति.)	50	75	88	100	100
एम.ए.–2 (प्रा.इति.)	–	100	100	100	100
बी.काम.–1	77	90	63	79	71
बी.काम.–2	78	96	78	96	95
बी.काम.–3	100	96	98	92	99
बी.एस–सी.–1	24	45	30	33	35
बी.एस–सी.–2	71	85	75	51	77
बी.एस–सी.–3	54	75	94	82	94
एम.एस–सी.–1 (रसायन)	30	69	89	96	100
एम.एस–सी.–2 (रसायन)	–	100	81	75	87

हमारे वे विद्यार्थी जो सफलता के पथ पर अग्रसर हैं

महाविद्यालय के पास लगभग 170 विद्यार्थियों की सूची है, जो शिक्षा क्षेत्र में, चिकित्सा क्षेत्र में, बैंक, सेना, कम्प्यूटर साफ्टवेयर, वेबसाइट डेवलपर, समाचार पत्र सहित विविध क्षेत्रों में अपना प्रमुख योगदान दे रहे हैं।

परिसर चयन

- महाविद्यालय ''परिसर चयन'' की दिशा में भी प्रयत्नशील हुआ है। पिछले सत्र यूरेका फोर्ब्स द्वारा महाविद्यालय में लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर कुल 45 छात्र/छात्राओं का चयन किया गया।
- इस दिशा में सेवायोजन एवं पाठ्यक्रम सार्थकता समिति द्वारा आगे योजनाबद्ध तरीके से प्रयत्न करने की नीति बनाई जा रही है।

कोई सुदामा अथवा एकलव्य वंचित न रह जाए

गोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाविद्यालय से आर्थिक एवं सामाजिक कारणों से कोई विद्यार्थी प्रवेश से वंचित न हो यह किसी कीमत सुनिश्चित होना चाहिए।

गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ

प्रबन्धक, महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

महत्वपूर्ण विविध शिक्षणेत्तर गतिवधियाँ

- सप्त दिवसीय व्याख्यान–माला
- वर्ष में एक बार विद्यार्थियों के लिए शोध व्याख्यान प्रतियोगिता
- वर्ष भर अनेक सम–सामयिक विषयों पर व्याख्यान का आयोजन
- प्रति दूसरे वर्ष महाविद्यालय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करता रहा है
- वर्तमान सत्र से प्रतिवर्ष राष्ट्रीय संगोष्ठी (14–15 फरवरी) आयोजित करने का निर्णय
- प्रतिवर्ष विभागीय एवं महाविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यशालाएं
- महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा प्रतिवर्ष निर्धारित छः दिवसों पर लोकप्रिय व्याख्यान
- युवा क्रान्तिकारियों की स्मृति में युवा काव्य पाठ
- गाँवों में जनजागरण सम्बन्धी विविध मुद्दों पर नुक्कड़ नाटक
- इन आयोजनों में अधिकांशतः संचालक विद्यार्थी होता है, अतिथियों को पुष्प गुच्छ आदि देकर सम्मानित विद्यार्थी ही करता है। इस सभी के पीछे उद्देश्य विद्यार्थी का व्यक्तित्त्व विकास है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् संस्थापक सप्ताह समारोह
४ से १० दिसम्बर-१९८९ ई. से प्रतिवर्ष आयोजित

- 4 दिसम्बर को शोभायात्रा में लगभग **10 हजार** विद्यार्थियों का सहभाग।
- सप्ताह भर चलने वाले समारोह को सम्पन्न कराने हेतु **108** प्राचार्यों एवं शिक्षकों की समिति।
- 10 दिसम्बर को लगभग **650 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति एवं पुरस्कार**।
- महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के लगभग साढ़े तीन दर्जन से अधिक संस्थाओं में श्रेष्ठतम संस्था, श्रेष्ठतम शिक्षक, माध्यमिक, स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर श्रेष्ठतम विद्यार्थी को स्वर्ण पदक।
- इस आयोजन के संचालन में महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज की **प्रमुख भूमिका**।

महाविद्यालय को पुरस्कार/सम्मान

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् संस्थापक सप्ताह समारोह

४ दिसम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की सभी संस्थाओं की निकलने वाली लगभग १० हजार विद्यार्थियों की शोभायात्रा में अनुशासन एवं सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन का पुरस्कार महाविद्यालय को

- 2005 – प्रथम पुरस्कार
- 2006 – प्रथम पुरस्कार
- 2007 – द्वितीय पुरस्कार
- 2008 – प्रथम पुरस्कार
- 2009 – प्रथम पुरस्कार
- 2010 – प्रथम पुरस्कार
- 2011 – प्रथम पुरस्कार
- 2012 – प्रथम पुरस्कार
- 2013 – प्रथम पुरस्कार
- 2014 – प्रथम पुरस्कार

लगातार प्रथम पुरस्कार पाने के कारण संचालन समिति संयोजक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव के सुझाव पर यह तय हुआ कि 2015 से कोई संस्था लगातार दो बार पुरस्कार प्राप्त नहीं करेगी।

१० दिसम्बर २०१४ को इस गरिमामयी समारोह में महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज ने प्राप्त किये पाँच में से चार स्वर्ण पदक एवं शोभायात्रा का श्रेष्ठ अनुशासन एवं सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन का

हिन्दुस्तान

प्रथम पुरस्कार

गोरखपुर • बुधवार • 10 दिसम्बर 2014

आज गोरखपुर आएंगे राज्यपाल

गोरखपुर। राज्यपाल रामनाईक बुधवार को गोरखपुर आएंगे। यहां वह महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। राज्यपाल सुबह 10 बजे लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट से हवाई जहाज से उड़कर 10:40 बजे गोरखपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वहां से कार से गोरखनाथ मंदिर के दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार पहुंचेंगे। संस्थापक सप्ताह समारोह इसी सभागार में होगा। प्रभारी अधिकारी प्रोटोकॉल से मिली जानकारी के मुताबिक राज्यपाल पूर्वाह्न 11 बजे से 2:30 बजे तक समारोह में रहेंगे। अपराह्न 2:30 बजे वह कार से गोरखपुर एयरपोर्ट जाएंगे। 2:50 बजे वह हवाई जहाज से वापस लखनऊ के लिए रवाना होंगे।

• पुरस्कृत होंगी मेधाएं : पेज 4

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक समारोह के समापन के अवसर पर शिरकत करेंगे राम नाईक

राज्यपाल के हाथों शहर के मेधावी आज होंगे सम्मानित

गोरखपुर | वरिष्ठ संवाददाता

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक समारोह के समापन अवसर पर बुधवार को गोरखनाथ मन्दिर परिसर स्थित दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में भव्य पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन होगा।

मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के राज्यपाल रामनाईक उपस्थित रहेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अशोक कुमार मौजूद होंगे।

सुबह दस बजे शुरू होने वाले समारोह की अध्यक्षता गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ करेंगे। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। श्रेष्ठ संस्था और सर्वश्रेष्ठ शोभा यात्रा का खिताब एमजीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ को मिलेगा।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक समारोह में राज्यपाल के आगमन को लेकर गोरखनाथ मंदिर में तैयारियों का जायजा लेते सदर सांसद महंत आदित्यनाथ

राज्यपाल से मिलेगा आईएमए प्रतिनिधिमण्डल

गोरखपुर। शहर के कुछ चिकित्सकों को फोन पर मिल रही धमकी और गुण्डा टैक्स की मांग के विरोध में चिकित्सक बुधवार को राज्यपाल से मिलेंगे। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने मंगलवार को बैठक कर राज्यपाल से मिलने की रणनीति बनाई। तय हुआ कि एक प्रतिनिधिमंडल मिलकर कानून व्यवस्था की शिकायत करेगा और चिकित्सकों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की मांग करेगा। आईएमए के सचिव डा. वीरेन्द्र कुमार गुप्ता ने बताया कि चिकित्सक इस माहौल में ठीक से काम नहीं कर पा रहा है। आईएमए प्रतिनिधिमंडल बुधवार की दोपहर 12 बजे राज्यपाल से मिलकर वस्तुस्थिति से अवगत कराएगा।

राज्यपाल के हाथों इन्हें मिलेगा पुरस्कार

- श्रेष्ठतम संस्था का गुरु गोरक्षनाथ स्वर्ण पदक महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ को।
- श्रेष्ठतम शिक्षक का योगीराज बाबा गम्भीर नाथ स्वर्ण पदक डॉ अविनाश प्रताप सिंह को।
- स्नातकोत्तर कक्षाओं में श्रेष्ठतम विद्यार्थी का ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ स्वर्ण पदक कुमारी चांदनी सिंह को।
- स्नातक कक्षाओं में श्रेष्ठतम विद्यार्थी का ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्वर्ण पदक कुमारी तेजस्विनी यादव को।
- माध्यमिक वर्ग के श्रेष्ठतम विद्यार्थी का महाराणा मेवाड़ स्वर्ण पदक मानसी यादव को।
- शोभा यात्रा का प्रथम पुरस्कार एमपी पीजी कॉलेज जंगल धूसड़, द्वितीय एमपी सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल मंगला देवी और तृतीय पुरस्कार एमपी महिला महाविद्यालय एवं कन्या इण्टर कालेज रमदत्तपुर को संयुक्त रूप से मिलेगा।
- महाराणा भगवत सिंह स्मृति पुरस्कार मधुबाला शर्मा को।
- स्वर्गीय चौधरी विनोद कुमार स्मृति पुरस्कार कुमारी वर्तिका को।
- डॉ. हरिप्रसाद शाही स्मृति छात्रवृत्ति ज्योति चौधरी को।
- लक्ष्मीशंकर वर्मा स्मृति पुरस्कार दिवाकर सिंह को।
- स्वर्गीय चण्डी प्रसाद सिंह स्मृति छात्रवृत्ति पुरस्कार विक्रम प्रताप सिंह, सचिन सिंह एवं संजीव यादव को।
- स्वर्गीय रामनरेश स्मृति पुरस्कार तसलीम आरिफ को।
- सुशीला देवी स्मृति पुरस्कार अनुभव कुमार पाण्डेय को।
- मां गंगदेई देवी स्मृति पुरस्कार निखिल पाण्डेय को।
- रेखा रूद्र पुरस्कार अंकिता सिंह को।
- चौधरी रामलखन स्मृति पुरस्कार राजन दूबे को।
- चौधरी कृष्णा स्मृति पुरस्कार चांदी सिंह को।
- संस्थापक समारोह में अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में प्राथमिक वर्ग में प्रथम स्थान सृष्टि शाही, द्वितीय स्थान वंशिका और तृतीय स्थान शिखा मिश्रा को।
- वरिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान साक्षी त्रिपाठी, द्वितीय स्थान आकांक्षा पाण्डेय और तीसरा स्थान नबीला फरीद को मिला।
- माध्यमिक वर्ग में प्रथम अदिल अग्रवाल, द्वितीय स्थान प्रतीक शंकर सिंह और तृतीय पुरस्कार स्नेहा मौर्या को।

राज्यपाल के आगमन को लेकर हुई साफ सफाई

गोरखपुर। बुधवार को यूपी के राज्यपाल राम नाईक के आगमन को लेकर नगर निगम ने शहर की सड़कों की खूब साफ सफाई की। गोलघर से पार्क रोड होते हुए मोहद्दीपुर तक सड़कों के दोनों तरफ निगम के कर्मचारी सफाई कार्य में जुटे रहे। पार्क रोड पर जलकल के पानी के टैंकर से डिवाइडर की धुलाई की गई। पूरे दिन नगर निगम की गाड़ियां दौड़ती रहीं।

उच्च शिक्षा विभाग

उत्तर प्रदेश शासन

विद्ययाऽमृतमश्नुते

शिक्षक श्री सम्मान - 2008

डॉ. विजय कुमार चौधरी, प्रवक्ता भूगोल, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगलधूसड़, गोरखपुर को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय योगदान के लिए, उत्तर प्रदेश शासन "शिक्षक श्री" सम्मान से अलंकृत करता है।

(आलोक रंजन)
आई.ए.एस.
प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा विभाग

(डॉ. राकेशधर त्रिपाठी)
उच्च शिक्षा मंत्री,
उ.प्र. शासन

लखनऊ, 5 सितम्बर 2008

दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार

DEEN DAYAL UPADHYAYA NATIONAL SERVICE SCHEME AWARD

2010-2011

प्रमाण-पत्र

डॉ0 प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर को राष्ट्रीय सेवा योजना में अनुकरणीय एवं सक्रिय नेतृत्व के लिए वर्ष 2010-11 का महाविद्यालय पुरस्कार प्रदान किया गया ।

राष्ट्रीय सेवा योजना परिवार डॉ0 राव के मंगलमय भविष्य की कामना करता है।

01.10.11

डॉ0 संजीत कुमार गुप्ता
कार्यक्रम समन्वयक

प्रो0 (डॉ.) पी.सी. त्रिवेदी
कुलपति

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्

गोरखपुर

संस्थापक-सप्ताह समारोह

०४-१० दिसम्बर, २०१४

स्वर्ण पदक

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् संस्थापक-सप्ताह समारोह के मुख्य महोत्सव में वर्ष 2014 की श्रेष्ठतम संस्था का गुरू श्री गोरक्षनाथ स्वर्ण पदक महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर को मुख्य अतिथि माननीय श्री राम नाईक जी, राज्यपाल, उत्तरप्रदेश द्वारा प्रदान किया गया।

१०दिसम्बर, २०१४

महन्त योगी आदित्य नाथ
मंत्री/प्रबन्धक
महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्
गोरखपुर
संस्थापक-सप्ताह समारोह
०४-१० दिसम्बर, २०१४

स्वर्ण पदक

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् संस्थापक-सप्ताह समारोह के मुख्य महोत्सव में वर्ष 2014 के श्रेष्ठतम शिक्षक का योगीराज बाबा गम्भीरनाथ स्वर्ण पदक डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर को मुख्य अतिथि माननीय श्री राम नाईक जी, राज्यपाल, उत्तरप्रदेश द्वारा प्रदान किया गया।

१०दिसम्बर, २०१४

महन्त योगी आदित्य नाथ
मंत्री/प्रबन्धक
महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्

प्रशस्ति पत्र

पर्यावरण संरक्षण के लिए दैनिक हिन्दुस्तान द्वारा आयोजित **"हरियाली प्रतियोगिता"** में श्री/सुश्री.....महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज.....ने.....द्वितीय.....स्थान प्राप्त किया। इस योगदान के लिए दिनांक 28 जून 2014 को गोरखपुर विश्वविद्यालय के दीक्षा भवन में आयोजित समारोह में इन्हें सम्मानित किया गया।

श्री/सुश्री.....महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज.....के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

हरिओम पाण्डेय	हिन्दुस्तान	दिनेश पाठक
यूनिट हेड		स्थानीय सम्पादक

कॉलेज के नवाचारों एवं शैक्षिक गुणवत्ता के आधार पर प्राप्त सम्मान

राष्ट्रीय सेवा योजना

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि महाराणा प्रताप पी० जी० कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

को सत्र 2014-15 का **सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय** का **दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार** प्रदान किया जाता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना परिवार महाविद्यालय परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

कार्यक्रम समन्वयक

कुलपति

गुरु श्री गोरक्षनाथ ब्लड बैंक एवं कॉम्पोनेन्ट सेन्टर

गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय, गोरखनाथ, गोरखपुर

राष्ट्रीय रक्तदाता दिवस के अवसर पर प्रशस्ति पत्र

मान्यवर/मान्या...... महाराणा प्रताप पी. जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर ......

भारतीय तत्व दर्शन में निश्चित ही जीवन अमृत है। मानव ईश्वर की श्रेष्ठ कृति है। सृजनकर्ता स्वयं इस रूप को धारण करने में गौरव अनुभव करते हैं। आपका जीवन ज्योति सत्-चित-आनन्द का एक पुंज बने, आपका भावी जीवन सत्यम, शिवम्, सुन्दरम की अमूल्य यश की धरोहर की तरह मानव मात्र के कल्याण के लिए समर्पित हो, यही जीवन की धन्यता है।

आपके द्वारा नियमित रक्त दान से की गयी मानव सेवा जो जीवन दाता के रूप में स्वीकार की गयी है वह न केवल अति सराहनीय है अपितु आपके इस कृत के कारण आपको मानव सेवा के उच्चतम श्रेणी में स्थापित करता है। आप एक महामानव की भूमिका निभाते हुए ऋषि एवं मुनियों की श्रेणी में बैठे संतों की अग्रणी पंक्ति के बहूमूल्य हस्ताक्षर हैं, लोक कल्याणकारी एवं रचनात्मक कार्य के प्रति सदैव समर्पित आपका व्यक्तित्व इतना विशाल है कि इसके समक्ष हमें सब कुछ तुच्छ एवं बौना दिखाई देता है। आपके इस कृत्य के कारण मानव हित एवं राष्ट्र हित की प्रासंगिकता एवं महत्ता और महक उठी है। आपका यह भाव दर्शाता है कि आप दया के सागर हैं तथा लोक कल्याण के प्रति सदैव प्रतिबद्ध रहने वाले महर्षि हैं। आप मानव सेवा के जिस शिखर पर आच्छादित हैं वहां से प्रकाश की किरणें इसे देश में ही नहीं अपितु पूरे विश्व में फैल रही हैं। ऐसे विभिन्न गुणों से सम्पन्न आप जैसे महान व्यक्तित्व को अपने बीच पाकर हम सब अपार हर्ष, अतुलित आनन्द तथा गौरव से कितना अभिभूत हैं इसे शब्दबद्ध नहीं किया जा सकता, औपचारिक तौर पर आपके विराट व्यक्तित्व के समक्ष नतमस्तक होते हुए मैं आपको बार-बार प्रणाम करता हूँ तथा औपचारिकता के निर्वहन हेतु मैं आभार के शब्द का प्रयोग कर रहा हूँ।

आज आपके रक्तदान की भावना को सम्मानित करते हुए समाज एवं राष्ट्र आपका सदैव आभारी रहेगा। आप शतायु हों, आपका जीवन सुदीर्घ यश एवं कीर्ति का अमर कलश हो, यही हमारी शुभकामना है।

अध्यक्ष :- **महंत योगी आदित्य नाथ**
सदर सांसद, गोरखपुर

दिनांक 02.10.2015

प्रभारी :- डॉ0 अवधेश अग्रवाल